पवित्र शास्त्र में नरक का वर्णन किया गया है। जो अनंत काल तक है। जब हम संग्रालय के प्रवेश व्दार में गये तब मैंने देखा किसीने यीशु का क्रुस का चित्र बनाया है, दिवार पर। वह व्यक्ति तो मर गया, परंतु उसे पता था, कि उध्दार देने वाला यीशु ही है। वो मरा एक भयानक जगह में, लेकिन स्वर्ग में उसका स्वागत है। लेकिन पवित्र शास्त्र के नरक से कोई नही बच सकता है। जिसका नये नियम में विस्तारपूर्ण लिखा गया है। आप नरक नही देख सकते, वह हमेशा की पीडा है।

उदाहरणः (मत्ती ७:१३, ५:२९, १८:८)
मत्ती ७:१३:- सकरे फाटक से प्रवेश करो, क्यों कि विशाल है वह फाटक और चौड़ा है वह मार्ग जो विनाश को पहुंचता है और बहुत लोग उससे प्रवेश करते है।

मत्ती ८:२९ यदि तेरी दाहिनी आँख तुझे ठोकर खिलाए तो उसे निकालकर अपने पास से फेंक दें, क्योंकि तेरे लिए यही भला है कि तेरे शरीर का केवल एक अंग नष्ट हो, किंतु तेरा सारा शरीर नरक में न डाला जाए।

मत्ती १८:८:- यदि तेरा हाथ या तेरा पांव तुझे ठोकर खिलाए, तो काटकर उसको फेंक दे। टुंडा या लंगड़ा होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिए इससे अच्छा है कि तू दो हाथ या दो पांव रहते हुए अनंत आग में डाला जाए।

स्वर्ग अनंत काल तक है। और वहाँ परमेश्वर हमें ले जाना चाहता है। तो आप स्वर्ग के लिए आमंत्रित है। प्रभू के नाम पर आवाज दो और स्वर्ग में अपनी जगह की टिकट ले लो। एक बार जब मैने यह बात बोली तो एक औरत मुझसे नाराज हो कर बोली, "हम कैसे स्वर्ग का टिकट ले सकते है? मैने कहा, "अगर नही लोगी, तो वहाँ पहूँच नही पाओगी। अगर तुम किसी जगह कि टिकिट लेती हो कि नहीं।" क्या बोली, "हाँ, लेकिन उसके पैसे भरने पडते है। मैने कहाँ, "स्वर्ग कि टिकिट के पैसे भी पूरे भरने है। लेकिन वह इतनी महँगी है कि कोई उसे खरीद नही सकता। हमारे पाप हमें स्वर्ग जाने से रोकते है। प्रभू स्वर्ग में हमारा पाप नही दे सकते। अगर हमें प्रभु के साथ अनंत काल तक रहना है, तो हमें अपने पापो से बचना है और उनसे उध्दार पाना है। वह सिर्फ ऐसा मनुष्यकर सकता है। जिसमें पाप न हो और वह है यीशु मसीह। सिर्फ वे अकेले आपके

पापों के पैसे भर सकते है, क्योंकि उन्होंने क्रुस पर अपना लहु बहाया।

तो, हमें क्या करना है, स्वर्ग जाने के लिए? प्रभु हमे आमंत्रण दे रहे है। पवित्र शास्त्र मे लिखा हैः प्रभु हमे आमंत्रण देते हैः

- लूका १३:२४ यीशुने उससे कहा, "सकरे व्दार से प्रवेश करने का प्रयत्न करो। मैं तुम से कहता हूँ, उस व्दार से बहुत लोग प्रवेश करना चाहेंगे और न कर सकेंगे।
- मत्ती ४:१७ उस समय से यीशु ने प्रचार करना और यह कहना आरंभ किया, "अपने पापों से मन फिराओं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है।"
- मत्ती ७:१३:, १४ सकरे फाटक से प्रवेश करो, क्योंकि विशाल है, वह फाटक और चौड़ा है वह मार्ग जो विनाश को पहुचाता है, और बहुत लोग उससे प्रवेश करते है। किन्तु छोटा है वह फाटक और सकरा है वह मार्ग जो जीवन को पहुँचाता है और कुछ लोग ही उसे पाते है।

१ तीमुथियुस ६.१२ विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़। तू उस अनंत जीवन को रख ले, जिसके लिए तू बुलाया गया और जिसकी अच्छी साक्षी तून बहुत गवाहों के सामने दि थी। प्रेरितों के काम १६:३१ उन्होंने कहा, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उध्दार पाएगा।

ये सब हमें उत्साहित और जरुरी प्रभू के आमंत्रण है। क्या आप इस आमंत्रण को स्वीकरना चाहते है। यह प्रार्थना बोलिएः

"है, प्रभु यीशु, मैने पढ़ा कि मैं स्वर्ग सिर्फ आपके व्दारा जा सकता हूँ। मैं आपके साथ स्वर्ग मे रहना चाहता हूँ। आप मुझे नरक से बचा लिजिए, जो जगह मेरे पापों कि वजह से मेरी लिए है रखी है। क्यों कि आप मुझसे इतना प्यार करते है, कि क्रुस पर आपने मेरे पापों के लिए अपनी जान दी है, मेरे पाप जो मैंने बचपन से लेकर आज तक किये है। आप जानते है, वह हर एक गलत विचार और जो चीजें मैं स्वयं भी नही जानता। आप मेरा हृदय का जानते है। आपके सामने मैं एक खुली किताब के जैसे हूँ। मैं जैसा हूँ, इस लिए मैं क्षमा माँगता हूँ और आप मेरे पापों को क्षमा कर दिजिये। मेरी जिंदगी में आईये और उसे नया बना दिजिये। मेरी मदद करना कि जो कुछ आपकी आँखो में अच्छा नही है, उसे त्यागने के लिए, मेरी मदद करना आपका बचन समझने के लिए, और ये समझने के लिए कब आप मुझसे बात कर रहे है और आप की आज्ञा का पालन करने के लिए। आज से मेरे प्रभु – परमेश्वर बनिये, मैं आपके पीछे चलना चाहता हूँ। आप मुझे सही रास्ता दिखाना, मेरी जिन्दगी की हर जगह में। धन्यवाद कि आपने मेरी प्रार्थना सुनी है। और में परमेश्वर का बेटा हूँ और एक दिन मैं स्वर्ग में आपके साथ रहूँगा। आमीन।

Title of the original edition: Wie komme ich in den Himmel?
Translation from German into Hindi:
Cover: Elise Christian
Author's homepage: www.werner.gitt.de

Missionswerk DIE BRUDERHAND e.V.
Am Hofe 2; 29342 Wienhausen, Germany
Tel.: +49 (0) 51 49/ 98 91-0 Fax:-19; Homepage: bruderhand.de
E-Mail: bruderhand@bruderhand.de
© Missionswerk DIE BRUDERHAND e.V.

Nr. 856
Hindi
1. edition 2009

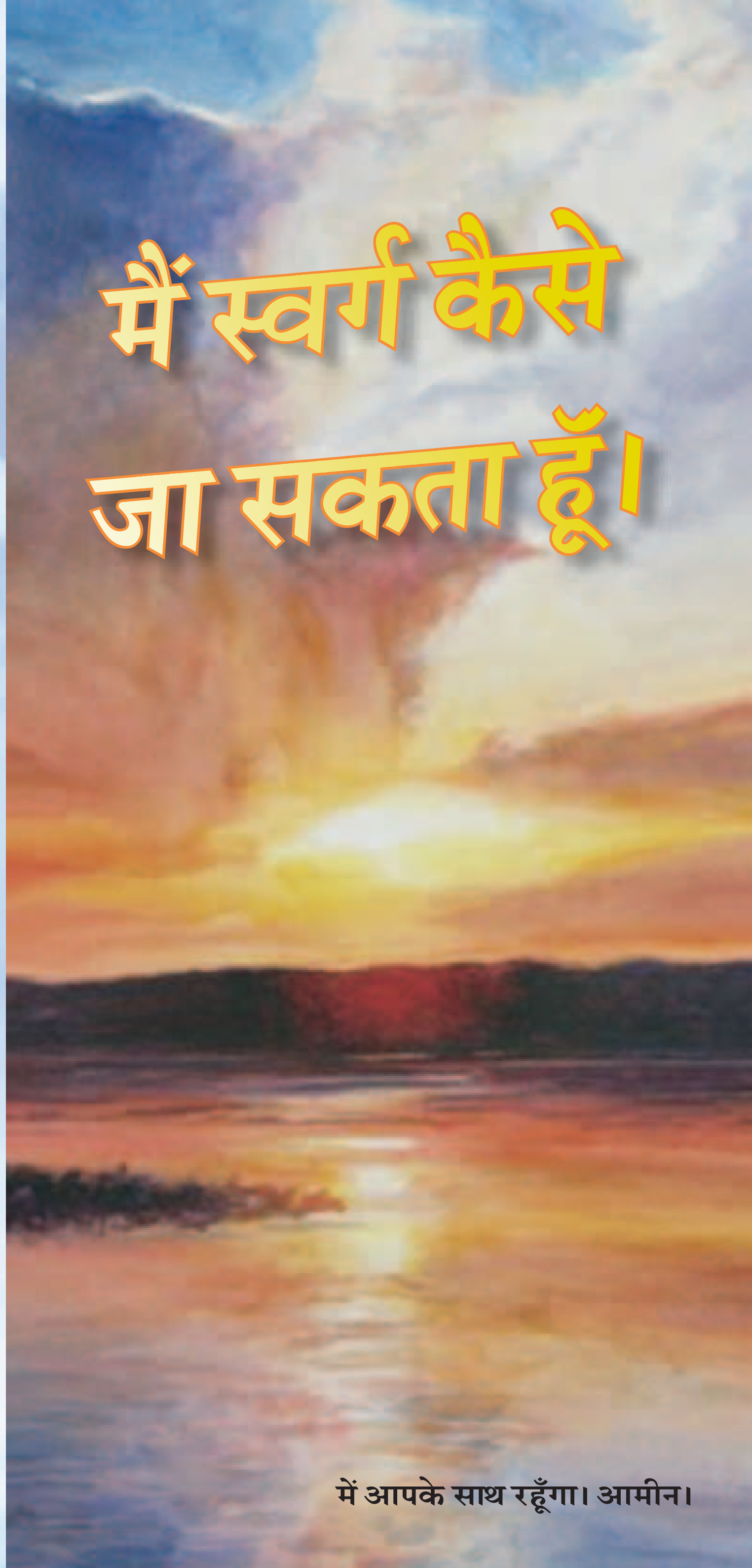

मैं स्वर्ग कैसे जा सकता हूँ।

में आपके साथ रहूँगा। आमीन।

मैं स्वर्ग कैसे जा सकता हूँ।

बहुत लोग अनंत जीवन के बारे में नही सोचते है। जो मृत्यू के बारे में सोचते है, ये नहीं सोचते के उसके बाद क्या होगा और ऐसा सोचने से डरते है। बचपन में अम्रीका/अमेरिका की अभिनेत्री द्रीयू बैरी मोर (जन्म १९७५) ने (ऊं) फिल्म में काम किया था। जब वह २८ साल की थी, उसने कहाँ, "अगर मैं अपनी बिल्ली के पहेले मरी तो मेरी राख मेरी बिल्ली को खिलायी जाए ताकि मेरा जीवन उस में दिखे। क्या ये डरावनी बात नही है?

जब यीशु जिन्दा थे, तब बहुत सारे लोग उनके पास आते थे। उनकी समस्यायें आज कि तरह है।

- दस कोढ़ी स्वस्थ होना चाहते थे (लूका १७:१२, १३) तब यीशु को किसी गांव में प्रवेश करते समय दस कोढ़ी मिले। उन्होंने दूर खड़े होकर ऊंचे स्वर में कहा, "हे यीशु, हे स्वामी हम पर दया कीजिए।"
- अन्धे देखना चाहते थे। (मत्ती ९:२७) (यीशु वहाँ से आगे बढ़े तो दो अन्धे उनके पीछे यह पुकारते हुए चले, "हे दाऊद के वंशज, हम पर दया किजिए। मत्ती ९:२७)
- एक मनुष्य ने यीशु से अपने पिता की सम्पत्ति के बंटवारे के झगड़े में सलाह माँगी।
- फरीसियों ने यीशु को फंसाने के लिए यह प्रश्न पूछा कि हमें कैसर को कर देना चाहिऐ की नहीं (मत्ती २२:१७)

बहुत कम लोग यीशु के पास यह सुनने के लिए आते थे हमें स्वर्ग कैसे जाना चाहिऐ।

एक धनी अगुआ (शासक) ने यीशु से पूछा, **"है उत्तम गुरु, अनंत जीवन का अधिकारी होने के लिए मैं क्या करु?"** (लूक १८:१८)

यीशु ने उससे कहा कि वह अपना सब धन बेच कर उनके पीछे चले, क्यों कि वह बड़ा अमीर था, धनवान था, उसने उनकी बात नही सुनी और वह उदास होकर चला गया। उसे स्वर्ग नही मिला। लेकिन ऐसे भी लोग थे जो स्वर्ग नही ढूंढ रहे थे पर जब उन्होंने सुना स्वर्ग के बारे में, जब वे यीशु से मिले, तब उन्होंने स्वर्ग को पाया।

जक्कई यीशु को देखना चाहता था। उसे अपनी चाहत से अधिक मिला। यीशु उसके घर पर गये – और जब वह चाय पी रहे थे (ऐसा आप सोच सकते है।) तब उसने स्वर्ग पाया। लूका १९:९ तब यीशु ने उससे कहा, **"आज इस घर नें उद्धार आया है।"**

मैं स्वर्ग को कैसे पा सकता हूँ।

हमने अब तक यह सीखा और देखा है:

- कि स्वर्ग का राज्य आप सही समय में ही पा सकते हैं। इसका मतलब है कि आप जो यह पढ़ रहे है, आप भी आज अनंत जीवन पा सकते है।
- स्वर्ग का राज्य हम अपने अच्छें कामों से नही पा सकते है।
- हम बिना किसी तैयारी के, स्वर्ग को पा सकते है।

हमारे खुद के विचार, स्वर्ग पाने के गलत है वे परमेश्वर ने जो कहा है, उस पर नही है।

एक गायिका ने एक जोकर के बारेमें गीत गाया कि वही स्वर्ग जरुर पाएगा क्योंकि उसने बहुत सारे लोगों को खुशी दी है। एक अमीर औरत ने एक घर बनाया जिसमें बीस गरीब औरतें रह सकती है मुफ्तमें, परंतु व उसके स्वर्ग में पहुंचने कि प्रार्थना रोज एक घंटा करें। लेकिन हम स्वर्ग कैसे पहुंच सकते है?

यीशु ने एक कहानी (दृष्टान्त) बताया है। लूका १४:१६ में लिखा है एक ऐसे मनुष्य के बारे में जिसने बड़ा भोज दिया और बहुत लोंगो को बुलाया। लेकिन जो बुलाए गये थे, वे अपने कामों मे व्यस्त थे और उन्होंने बहुत बहानें बनाए। ऐक ने कहा कि मैने खेत मोल लिया है। दूसरे ने कहा कि उसकी नयी नयी शादी हुई है तो वह नही आ सकता है। इस कहानी के अंत में यीशु ने स्पष्ट कहा, "मैं तुमसे कहता हूँ की उन मेहमानों में से कोई भी मेरे भोज को न चखने पाएगा। (लूका १४:१४)

इस कहानी से साफ जाहिर है कि हम या तो स्वर्ग पा सकते है या खो सकते है। यह जरुरी बात है कि आप स्वर्ग का निमंत्रण ले सकते है। या मना कर सकते है। यह बहुत आसान दिख रहा है। है ना! लेकिन फिर भी लोग स्वर्ग नही जा पाते, इसलिए नही क्योंकि वह रास्ता नहीं जानते परंतु इस कारण क्यों कि वह प्रभु का निमंत्रण स्वीकार नही करते।

यह ऊपर के तीन मनुष्य हमारे लिए सही उदाहरण नही है क्योंकि वो प्रभु के निमंत्रण को नकारते है। क्या वह भोज किसी ने नही खाया। नहीं ऐसा नही हुआ। क्योंकि वे आमंत्रित लोगों ने खाना नहीं खाया तो जो मनुष्य था, उसने अपने सेवक को कहा पूरी दुनिया को आमंत्रित करो। ये साधारण बुलावा है कि, **"आओ!"** और जो कोई आमंत्रण को स्वीकारता है वह उस भोजन को खा सकता है। बहुत सारे लोग आए। फिर उस मनुष्य ने अपने सेवक को कहा, **"सड़कों और बाड़ो से भी मनुष्यों को आमंत्रण भेजा क्यों कि और भी जगह है, और मेरा घर भर जाए।"**

यहाँ पर, मैं कहना चाहता हूँ कि यह कहानी का आज क्या मतलब है, आज भी स्वर्ग में बहुत जगह है। और परमेश्वर आपसे कह रहे हैं, **"आओ और अपना स्थान ले लो स्वर्ग में। अपना चुनाव करो और अनंत जीवन पाओ। आज यह चुनाव किजिए।"**

स्वर्ग बहुत खुबसुरत है। इसलिए यीशु एक महाभोज के जैसे बताते है। १ कुरिन्थियों २:९, "जो आँख ने नही देखा और कान ने नहीं सुना और जो बातों मनुष्य के चित में नही चढ़ी, वे ही हैं, जो परमेश्वर ने अपने प्रेम करनेवालों के लिए तैयार की है। स्वर्ग जैसा सुंदर स्थान इस धरती पर नही है। स्वर्ग बहुत मुल्यवान है। यीशु, परमेश्वर के पुत्र ने रास्ता बनाया है स्वर्ग के लिए हमारे लिए। उन्होंने हमारे लिए यह आसान मार्ग बनाया है। लेकिन सब से जरुरी बात है कि क्या हमें वहाँ जाने कि, इच्छा है। सिर्फ जो इस कहानी के जैसे मूर्ख लोग है, वे नही जाना चाहेंगे।

प्रभु यीशु के व्दारा उद्धार

प्रेरितों के काम के २:२१ में हम एक खास वचन को पढ़ते है, **"और जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।"** और नये नियम के केन्द्रिय पद है।

जब पौलुस फिलिप्पी नगर के बन्दीगृह में था, तब उसने दारोगा को कहा, **"प्रभु यीशु मसीहा पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।"** (प्रेरित के काम १६:३१) यह उद्देश छोटा है परंतु जीवन बदलने वाला। वह दारोगाने उस रात उद्धार पाया।

यीशु तुम्हें किससे बचाता है? यह बहुत जरुरी प्रश्न है, वह हम अनंत काल के नरक से बचाता है। पवित्र शास्त्र कहता है, सब लोग या तो अपना अनंत जीवन स्वर्ग में या नरक मे बिताऐंगे। एक खुबसुरत जगह है, और दूसरा भयानक। उसके अलावा और कोई चारा/उपाय नहीं है।

पाँच मिनट मरने के बाद, तुम्हारा जीवन का न्याय होगा, यदि आप यीशु को जानते है या नहीं और उससे यह निर्णस होगा कि आप कहाँ अपना अनंत जीवन बिताऐंगे।

जब मैं पोलन्ड में बोलने गया था, तब हमने पुराना कॉन्सेन्त्रेटॅन कैंप ल्मैंर्ैू में गए थे । वहॉ पर बहुत बुरी चीजें हुई थी, थंड रीछ (दूसरा विश्व युध्द) १९४२ और १९४४ के बीच में, १.६ मिल्लिन लोगों से ज्यादा लोग, खास कर यहूदी मारे गऐ और उनी लाशें आग मे डाली गई। उस वक्त का लिखा है, (ल्मैंर्ैू का नरक) वह दृश्य मेरी आँखो के सामने आया कि गैस चेम्बर में ६०० लोग एक साथ मारे जा सकते है। को आप उस घटना सोचते हुए डरते है, क्या वह नरक था? आज हम वह जगह देख सकते, वहाँ पर कोई मारा नही जाता है।